कृषि को आजीविका की बजाय मिशन मानकर करें काम : कृषि मंत्री जे.पी. दलाल

Jul 9, 2021 aap party haryana, haryana bjp, haryana congress, haryana sarkar, INLD, jjp, किसान आंदोलन, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जयप्रकाश दलाल, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज

Share via:

+ More

एचएयू में बागवानी अधिकारियों की वर्चुअल कार्यशाला में बागवानी में समय सिफारिशों को शामिल करने को लेकर हुआ मंथन

हिसार : 09 जुलाई - प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जयप्रकाश दलाल ने कहा कि किसान, वैज्ञानिक व कृषि अधिकारी मिलकर खेती को आजीविका का साधन न मानकर एक मिशन की तरह काम करें। इससे न केवल किसानों की आमदनी में इजाफा होगा। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार व बागवानी विभाग हरियाणा सरकार के संयुक्त तत्वावधान में वर्चुअल माध्यम से बागवानी अधिकारियों की आयोजित कार्यशाला को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान करते हुए कहा कि वे किसान की समस्या को ध्यान में रखते हुए दुनिया की सर्वश्रेष्ठ तकनीक किसान तक लेकर आएं। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे किसानों के साथ कार्य से कार्य मिलाकर कार्य करें। दिनों दिन पानी की कमी हो रही है, ऐसे में वैज्ञानिक कम पानी में तैयार की जाने वाली फसलों व बागवानी जैसी विभिन्न किस्मों व तकनीकों को विकसित करें ताकि कम खर्च में किसानों की आमदनी बढ़ाई जा सके। उन्होंने ज्यादा से ज्यादा किसानों को बागवानी व सब्जियों की ओर प्रेरित करने का आह्वान किया।

कृषि मंत्री जे.पी. दलाल ने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से बाजार में उपलब्ध हाइब्रिड बीजों की तरह स्वयं का देसी प्रकार के हाइब्रिड बीज का खाद तैयार कर कम लागत में किसानों को उपलब्ध करवाने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश की सीमाएं राष्ट्रीय राजधानी से सटी हुई हैं इसलिए किसानों को अधिक से अधिक फायदा उठाने के लिए स्वयं सीधी मार्केटिंग करते हुए उसी अनुरूप लोगों की डिमांड अनुसार फल व सब्जियों की खेती करनी चाहिए। उन्होंने किसानों से समूह बनाकर खेती करने का आह्वान किया ताकि उन्हें बाजार तक अपनी फसल को पहुंचाने में परिवहन की लागत कम हो सके और अधिक से अधिक लाभ मिल सके। इस दौरान प्रदेश के प्रगतिशील किसानों की सफलता की कहानी नामक पत्रिका का भी विमोचन किया गया।

हरियाणा हिसार

कृषि को आजीविका की बजाय मिशन मानकर करें काम : जेपी दलाल

By Rajniti News Admin

एचएयू में बागवानी अधिकारियों की वर्चुअल कार्यशाला में बागवानी में समग्र सिफारिशों को शामिल करने को लेकर हुआ मंथन

हिसार,

प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जयप्रकाश दलाल ने कहा है कि किसान, वैज्ञानिक व कृषि अधिकारी मिलकर खेती को आजीविका का साधन न मानकर एक मिशन की तरह काम करें। इससे न केवल किसानों की आमदनी में इजाफा होगा बल्कि खेती लाभप्रद हो सकेगी।

कृषि मंत्री जेपी दलाल हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार व बागवानी विभाग हरियाणा सरकार के संयुक्त तत्वावधान में वर्चुअल माध्यम से आयोजित बागवानी अधिकारियों की कार्यशाला को मुख्य अतिथि के तौर पर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे किसान की जरूरत को ध्यान में रखते हुए दुनिया की सर्वश्रेष्ठ तकनीक किसान तक लेकर आएं। वे किसानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य करें। दिनोंदिन पानी की कमी हो रही है, ऐसे में वैज्ञानिक कम पानी में तैयार होने वाली फसलों व बागवानी उन्नत किस्मों व तकनीकों को विकसित करें ताकि कम खर्च में किसानों की आमदनी बढ़ाई जा सके। उन्होंने ज्यादा से ज्यादा किसानों को बागवानी व सब्जियों की ओर प्रेरित करने का आह्वान किया। कृषि मंत्री जे.पी. दलाल ने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से बाजार में उपलब्ध हाइब्रिड बीजों की तरह स्वयं का इसी प्रकार के हाइब्रिड बीज का बैंक तैयार कर कम लागत में किसानों को उपलब्ध करवाने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश की सीमाएं राष्ट्रीय राजधानी से सटी हुई हैं इसलिए किसानों को अधिक से अधिक फायदा उठाने के लिए स्वयं सीधी मार्केटिंग करते हुए वहां अनुरूप लोगों की डिमांड अनुसार फल व सब्जियों की खेती करनी चाहिए। उन्होंने किसानों से समूह बनाकर खेती करने का आह्वान किया ताकि उन्हें बाजार तक अपनी फसल को पहुंचाने में परिवहन की लागत कम हो सके और अधिक से अधिक लाभ मिल सके। इस दौरान प्रदेश के प्रगतिशील किसानों की सफलता की कहानी आधारित पत्रिका का भी विमोचन किया गया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए उन्नत तकनीकों व किस्मों को विकसित करें ताकि उस क्षेत्र के किसानों को इसका लंबे समय तक फायदा मिल सके। उन्होंने कहा कि साथ ही ऐसी तकनीकों को विकसित करने की आवश्यकता है जिससे फसलों में रसायनों का कम से कम प्रयोग हो सके और लोगों को शुद्ध व रसायन रहित खाद्यान्न हासिल हो सके। कृषि विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने कहा कि किसान उत्पादक समूह बनाकर अधिक से अधिक लाभ उठाएं। प्रदेश में 600 किसान उत्पादक समूह बन चुके हैं और जल्द ही एक हजार समूह बनाए जाएंगे। एचएसएचडीए के मिशन डायरेक्टर एवं महानिदेशक (कृषि) हरियाणा डॉ. हरदीप सिंह ने कहा कि इस कार्यशाला के दौरान जो भी सिफारिशें मंजूर की जाएं उनको ज्यादा से ज्यादा किसानों तक पहुंचाया जाना चाहिए। महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय करनाल के कुलपति डॉ. समर सिंह ने बागवानी के क्षेत्र में किए जा रहे विश्वविद्यालय के प्रयासों के बारे में जानकारी दी और बताया कि इसके लिए वे निरंतर प्रयासरत हैं।

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास ढांडा ने निदेशालय की ओर से किसान हितों के लिए की जा रही कल्याणकारी गतिविधियों के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने विश्वविद्यालय में फल व सब्जियों को लेकर चल रहे अनुसंधान कार्यों की जानकारी दी। हरियाणा के महानिदेशक डॉ. अर्जुन सिंह ने भी अपने विचार रखे। बागवानी विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. रणबीर सिंह ने सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद किया। मंच का संचालन डॉ. सुनील ढांडा ने किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष सहित सभी जिलों के बागवानी विभाग के अधिकारी, फील्ड अधिकारी व किसान शामिल हुए।

एचएयू वैज्ञानिक अब गांव-गांव जाकर करेंगे मिट्टी-पानी जांच : प्रो. बी. आर. काम्बोज

एचएयू कुलपति ने मिट्टी-पानी जांच एवं प्रदर्शनी वाहन को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 10 जुलाई : चौधरी चरण सिंह कृषि विश्वविद्यालय हिसार के वैज्ञानिक खुद किसानों के पास जाकर उनके खेत की मिट्टी-पानी की जांच करेंगे। अब मिट्टी-पानी जांच के लिए हिसार स्थित लैब के अलावा यह सुविधा नजदीकी कृषि विज्ञान केंद्र के माध्यम से किसानों को उपलब्ध हो पाएगी। इसके लिए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने मोबाइल डाइगनोस्टिक कम एक्जीबीशन यूनिट (मिट्टी-पानी जांच एवं प्रदर्शनी वाहन) को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कुलपति ने कहा कि किसानों को मिट्टी-पानी जांच व अन्य तकनीकों के प्रति अधिक से अधिक जागरूक करने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने किसान हितों के लिए यह फैसला लिया है।

छाया : विजय कुमार

मिट्टी-पानी जांच एवं प्रदर्शनी वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज सहित अन्य।

बिना मिट्टी-पानी जांच नहीं मिल पाती उचित पैदावार

कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने बताया कि बिना खेत की मिट्टी-पानी जांच के किसान फसलों व अन्य बागवानी फसलों में आवश्यकतानुसार उचित खाद-पानी नहीं दे पाते जिसके चलते उन्हें फसलों से उचित पैदावार हासिल नहीं हो पाती। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे अपने खेत की मिट्टी की जांच समय-समय पर अवश्य करा लें। इससे न केवल किसानों द्वारा खेतों में प्रयोग किए जाने वाले रसायनिक उर्वरकों का खर्च कम होगा जिससे किसान की आर्थिक बचत होगी बल्कि पर्यावरण संरक्षण भी होगा। उन्होंने कहा कि किसान विश्वविद्यालय द्वारा तय की गई सिफारिशों अनुसार ही रसायनों, कीटनाशकों व अन्य खादों का प्रयोग करें ताकि अच्छी व भरपूर पैदावार ली जा सके।

प्रत्येक केवीके के लिए निर्धारित किए हैं कार्यक्रम : डॉ. रामनिवास ढांडा

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास ढांडा ने बताया कि विश्वविद्यालय के सभी कृषि विज्ञान केंद्रों पर इस वैन के कार्यक्रम तय किए गए हैं जिसके तहत यह वैन विज्ञान केंद्रों पर जाएगी और आसपास के क्षेत्रों के किसानों के खतों की मिट्टी पानी की जांच करेगी। यह मिट्टी-पानी लैब की सभी सुविधाओं से सुसज्जित है। इसके अलावा इस वैन के माध्यम से किसानों को कृषि और किसान कल्याण विभाग व विश्वविद्यालय द्वारा किसान हितों के लिए किए जा रहे कार्यों की लघु फिल्म भी दिखाई जाएगी। साथ ही विश्वविद्यालय की ओर से विभिन्न फसलों की उन्नत किस्में और विकसित तकनीकों के बारे में भी जानकारी दी जाएगी। इस वैन में एक टीम इंचार्ज, कृषि विज्ञान केंद्र से वैज्ञानिक, लैब सहायक व मृदा विज्ञान विभाग से एक तकनीकी लैब सहायक शामिल होंगे जो किसानों को जानकारी देगा।

सबसे पहले केवीके सदलपुर में होगा स्वागत

सह-निदेशक (विस्तार) डॉ. कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि इस वैन का सबसे पहला कार्यक्रम कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर, हिसार में रखा गया है। यहां के इंचार्ज आसपास के गांवों के किसानों को इस बारे में जागरूक करेंगे और इसका अधिक से अधिक फायदा उठाने के लिए प्रेरित करेंगे। इसके बाद प्रदेशभर में प्रत्येक जिले में स्थित विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से किसानों को सुविधा प्रदान करेगी। इसके लिए सभी विज्ञान केंद्रों के इंचार्जों की ड्यूटियां लगाई गई हैं।

एचएयू कुलपति ने मिट्‌टी-पानी जांच एवं प्रदर्शनी वाहन को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

एचएयू वैज्ञानिक अब गांव-गांव जाकर करेंगे मिट्‌टी-पानी जांच : प्रो. काम्बोज

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह कृषि विश्वविद्यालय हिसार के वैज्ञानिक खुद किसानों के पास जाकर उनके खेत की मिट्टी-पानी की जांच करेंगे। अब मिट्‌टी-पानी जांच के लिए हिसार स्थित लैब के अलावा यह सुविधा नजदीकी कृषि विज्ञान केंद्र के माध्यम से किसानों को उपलब्ध हो पाएगी। इसके लिए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने मोबाइल डाइगनोस्टिक कम एक्जीबीशन यूनिट (मिट्‌टी-पानी जांच एवं प्रदर्शनी वाहन) को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कुलपति ने कहा कि किसानों को मिट्‌टी-पानी जांच व अन्य तकनीकों के प्रति अधिक से अधिक जागरुक करने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने किसान हितों के लिए यह फैसला लिया है।

बिना मिट्‌टी-पानी जांच नहीं मिल पाती उचित पैदावार

कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने बताया कि बिना खेत की मिट्‌टी-पानी जांच के किसान फसलों व अन्य बागवानी फसलों में आवश्यकतानुसार उचित खाद-पानी नहीं दे पाते जिसके चलते उन्हें फसलों से उचित पैदावार हासिल नहीं हो पाती। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे अपने खेत की मिट्‌टी की जांच समय-समय पर अवश्य करा लें। इससे न केवल किसानों द्वारा खेतों में प्रयोग किए जाने वाले रसायनिक उर्वरकों का खर्च कम होगा जिससे किसान की आर्थिक बचत होगी बल्कि पर्यावरण संरक्षण भी होगा। उन्होंने कहा कि किसान विश्वविद्यालय द्वारा तय की गई सिफारिशों अनुसार ही रसायनों, कीटनाशकों व अन्य खादों का प्रयोग करें ताकि अच्छी व भरपूर पैदावार ली जा सके।

प्रत्येक केवीके के लिए निर्धारित किए हैं कार्यक्रम : डॉ. रामनिवास ढांडा

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास ढांडा ने बताया कि विश्वविद्यालय के सभी कृषि विज्ञान केंद्रों पर इस वैन के कार्यक्रम तय किए गए हैं जिसके तहत यह वैन विज्ञान केंद्रों पर जाएगी और आसपास के क्षेत्रों के किसानों के खतों की मिट्टी पानी की जांच करेगी। यह मिट्‌टी-पानी लैब की सभी सुविधाओं से सुसज्जित है। इसके अलावा इस वैन के माध्यम से किसानों को कृषि और किसान कल्याण विभाग व विश्वविद्यालय द्वारा किसान हितों के लिए किए जा रहे कार्यों की लघु फिल्म भी दिखाई जाएगी। साथ ही विश्वविद्यालय की ओर से विभिन्न फसलों की उन्नत किस्में और विकसित तकनीकों के बारे में भी जानकारी दी जाएगी। इस वैन में एक टीम इंचार्ज, कृषि विज्ञान केंद्र से वैज्ञानिक, लैब सहायक व मृदा विज्ञान विभाग से एक तकनीकी लैब सहायक शामिल होंगे जो किसानों को जानकारी देगा।

सबसे पहले केवीके सदलपुर में होगा स्वागत

सह-निदेशक(विस्तार) डॉ. कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि इस वैन का सबसे पहला कार्यक्रम कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर, हिसार में रखा गया है। यहां के इंचार्ज आसपास के गांवों के किसानों को इस बारे में जागरूक करेंगे और इसका अधिक से अधिक फायदा उठाने के लिए प्रेरित करेंगे। इसके बाद प्रदेशभर में प्रत्येक जिले में स्थित विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से किसानों को सुविधा प्रदान करेगी। इसके लिए सभी विज्ञान केंद्रों के इंचार्जों की ड्यूटियां लगाई गई हैं।

एचएयू में बागवानी अधिकारियों की वर्चुअल कार्यशाला में बागवानी में समग्र सिफारिशों को शामिल करने को लेकर हुआ मंथन

कृषि को आजीविका की बजाय मिशन मानकर करें काम : कृषि मंत्री

पांच बजे न्यूज

हिसार। प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जयप्रकाश दलाल ने कहा कि किसान, वैज्ञानिक व कृषि अधिकारी मिलकर खेती को आजीविका का साधन न मानकर एक मिशन की तरह काम करें। इससे न केवल किसानों की आमदनी में इजाफा होगा। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार व बागवानी विभाग हरियाणा सरकार के संयुक्त तत्वावधान में वर्चुअल माध्यम से बागवानी अधिकारियों की आयोजित कार्यशाला को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान करते हुए कहा कि वे किसान की समस्या को ध्यान में रखते हुए दुनिया की सर्वश्रेष्ठ तकनीक किसान तक लेकर आएं। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे किसानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य करें। दिनों दिन पानी की कमी हो रही है, ऐसे में वैज्ञानिक कम पानी में तैयार की जाने वाली फसलों व बागवानी जैसी विभिन्न किस्मों व तकनीकों को विकसित करें ताकि कम खर्च में किसानों की आमदनी बढ़ाई जा सके। उन्होंने ज्यादा से ज्यादा किसानों को बागवानी व सब्जियों की ओर प्रेरित करने का आह्वान किया।

कृषि मंत्री जे.पी. दलाल ने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से बाजार में उपलब्ध हाइब्रिड बीजों की तरह स्वयं का इसी प्रकार के हाइब्रिड बीज का ब्रांड तैयार कर कम लागत में किसानों को उपलब्ध करवाने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश की सीमाएं राष्ट्रीय राजधानी से सट्टी हुई हैं इसलिए किसानों को अधिक से अधिक फायदा उठाने के लिए स्वयं सीधी मार्केटिंग करते हुए उसी अनुरूप लोगों की डिमांड अनुसार फल व सब्जियों की खेती करनी चाहिए। उन्होंने किसानों से समूह बनाकर खेती करने का आह्वान किया ताकि उन्हें बाजार तक अपनी फसल को पहुंचाने में परिवहन की लागत कम हो सके और अधिक से अधिक लाभ मिल सके। इस दौरान प्रदेश के प्रगतिशील किसानों की सफलता की कहानी नामक पत्रिका का भी विमोचन किया गया।

क्षेत्र अनुसार तकनीक व किस्में विकसित करें ताकि लंबे समय तक मिले फायदा : प्रो. बी.आर. काम्बोज

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने वैज्ञानिकों से आह्वान करते हुए कहा कि वे क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए उन्नत तकनीकों व किस्मों को विकसित करें ताकि उस क्षेत्र के किसानों को इनका लंबे समय तक फायदा मिल सके। उन्होंने कहा कि साथ ही ऐसी तकनीकों को विकसित करने की आवश्यकता है जिससे फसलों में रसायनों का कम से कम प्रयोग हो सके और लोगों को शुद्ध व रसायन रहित खानपान हासिल हो सके। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे विश्वविद्यालय द्वारा सिफारिश किए गए रसायनों व कीटनाशकों का ही प्रयोग करें और वैज्ञानिकों की सलाह लेकर उचित मात्रा, समय, स्थान व समस्या को ध्यान में रखकर प्रयोग करें। कृषि विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा, आईएएस ने संबोधित करते हुए किसान उत्पादक समूह बनाकर अधिक से अधिक लाभ उठाएं। प्रदेश में 600 किसान उत्पादक समूह बन चुके हैं और जल्द ही एक हजार समूह बनाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस कार्यशाला में अर्जित ज्ञान का अधिक से अधिक लाभ उठाएं ताकि उसका स्पष्ट असर किसानों के खेतों में नजर आए और अधिक से अधिक किसान लाभांवित हो सकें। उन्होंने केंद्र व राज्य सरकार की किसान हितैषी योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी। एचएसएचडीए के मिशन डायरेक्टर एवं महानिदेशक(कृषि) हरियाणा डॉ. हरदीप सिंह, आईएएस ने कहा कि इस कार्यशाला के दौरान जो भी सिफारिशें मंजूर की जाएं उनका ज्यादा से ज्यादा किसानों तक पहुंचाया जाना चाहिए। महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय करनाल के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बागवानी के क्षेत्र में किए जा रहे विश्वविद्यालय के प्रयासों के बारे में जानकारी दी और बताया कि इसके लिए वे निरंतर प्रयासरत हैं। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास ढांडा ने निदेशालय की ओर से किसान हितों के लिए की जा रही कल्याकारी गतिविधियों के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने विश्वविद्यालय में फल व सब्जियों को लेकर चल रहे अनुसंधान कार्यों की जानकारी दी। हरियाणा के महानिदेशक डॉ. अर्जुन सिंह ने भी अपने विचार रखे। बागवानी विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. रणबीर सिंह ने सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद किया। मंच का संचालन डॉ. सुनील ढांडा ने किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष सहित सभी जिलों के बागवानी विभाग के अधिकारी, फील्ड अधिकारी व किसान शामिल हुए।

एचएयू वैज्ञानिक अब गांव-गांव जाकर करेंगे मिट्टी-पानी जांच : प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज

हिसार : चौधरी चरण सिंह कृषि विश्वविद्यालय हिसार के वैज्ञानिक खुद किसानों के पास जाकर उनके खेत की मिट्टी-पानी की जांच करेंगे। अब मिट्टी-पानी जांच के लिए हिसार स्थित लैब के अलावा यह सुविधा नजदीकी कृषि विज्ञान केंद्र के माध्यम से किसानों को उपलब्ध हो पाएगी। इसके लिए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने मोबाइल डाइगनोस्टिक कम एक्जीबीशन यूनिट (मिट्टी-पानी जांच एवं प्रदर्शनी वाहन) को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कुलपति ने कहा कि किसानों को मिट्टी-पानी जांच व अन्य तकनीकों के प्रति अधिक से अधिक जागरूक करने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने किसान हितों के लिए यह फैसला लिया है।

बिना मिट्टी-पानी जांच नहीं मिल पाती उचित पैदावार

कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने बताया कि बिना खेत की मिट्टी-पानी जांच के किसान फसलों व अन्य बागवानी फसलों में आवश्यकतानुसार उचित खाद-पानी नहीं दे पाते जिसके चलते उन्हें फसलों से उचित पैदावार हासिल नहीं हो पाती। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे अपने खेत की मिट्टी की जांच समय-समय पर अवश्य करा लें। इससे न केवल किसानों द्वारा खेतों में प्रयोग किए जाने वाले रसायनिक उर्वरकों का खर्च कम होगा जिससे किसान की आर्थिक बचत होगी बल्कि पर्यावरण संरक्षण भी होगा। उन्होंने कहा कि किसान विश्वविद्यालय द्वारा तय की गई सिफारिशों अनुसार ही रसायनों, कीटनाशकों व अन्य खादों का प्रयोग करें ताकि अच्छी व भरपूर पैदावार ली जा सके।

प्रत्येक केवीके के लिए निर्धारित किए हैं कार्यक्रम : डॉ. रामनिवास ढांडा

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास ढांडा ने बताया कि विश्वविद्यालय के सभी कृषि विज्ञान केंद्रों पर इस वैन के कार्यक्रम तय किए गए हैं जिसके तहत यह वैन विज्ञान केंद्रों पर जाएगी और आसपास के क्षेत्रों के किसानों के खतों की मिट्टी पानी की जांच करेगी। यह मिट्टी-पानी लैब की सभी सुविधाओं से सुसज्जित है। इसके अलावा इस वैन के माध्यम से किसानों को कृषि और किसान कल्याण विभाग व विश्वविद्यालय द्वारा किसान हितों के लिए किए जा रहे कार्यों की लघु फिल्म भी दिखाई जाएगी।

एचएयू कुलपति ने मिट्टी-पानी जांच एवं प्रदर्शनी वाहन को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

कृषि को आजीविका की बजाय मिशन मानकर करें काम : माननीय कृषि मंत्री जे.पी. दलाल

हिसार प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जयप्रकाश दलाल ने कहा कि किसान, वैज्ञानिक व कृषि अधिकारी मिलकर खेती को आजीविका का साधन न मानकर एक मिशन की तरह काम करें। इससे न केवल किसानों की आमदनी में इजाफा होगा। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार व बागवानी विभाग हरियाणा सरकार के संयुक्त तत्वावधान में वर्चुअल माध्यम से बागवानी अधिकारियों की आयोजित कार्यशाला को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान करते हुए कहा कि वे किसान की समस्या को ध्यान में रखते हुए दुनिया की सर्वश्रेष्ठ तकनीक किसान तक लेकर आएं। उन्होंने वैज्ञानिकों से

आह्वान किया कि वे किसानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य करें। दिनों दिन पानी की कमी हो रही है, ऐसे में वैज्ञानिक कम पानी में तैयार की जाने वाली फसलों व बागवानी जैसी विभिन्न किस्मों व तकनीकों को विकसित करें ताकि कम खर्च में किसानों की आमदनी बढ़ाई जा सके। उन्होंने ज्यादा से ज्यादा किसानों को बागवानी व सब्जियों की ओर प्रेरित करने का आह्वान किया।

क्षेत्र अनुसार तकनीक व किस्में विकसित करें ताकि लंबे समय तक मिले फायदा : प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने वैज्ञानिकों से आह्वान करते हुए कहा कि वे क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए उन्नत तकनीकों व किस्मों को विकसित करें ताकि उस क्षेत्र के किसानों को इनका लंबे समय तक फायदा मिल सके।

एचएयू में बागवानी अधिकारियों की वर्चुअल कार्यशाला में बागवानी में समग्र सिफारिशों को शामिल करने को लेकर हुआ मंथन

उन्होंने कहा कि साथ ही ऐसी तकनीकों को विकसित करने की आवश्यकता है जिससे फसलों में रसायनों का कम से कम प्रयोग हो सके और लोगों को शुद्ध व रसायन रहित खानपान हासिल हो सके। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे विश्वविद्यालय द्वारा सिफारिश किए गए रसायनों व कीटनाशकों का ही प्रयोग करें और वैज्ञानिकों की सलाह लेकर उचित मात्रा, समय, स्थान व समस्या को ध्यान में रखकर प्रयोग करें।

कृषि को आजीविका की बजाय मिशन मानकर करें काम : दलाल

एचएयू में बागवानी अधिकारियों की वर्चुअल कार्यशाला में बागवानी में समग्र सिफारिशों को शामिल करने को लेकर हुआ मंथन

सुभाष पंवार

हिसार। प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जयप्रकाश दलाल ने कहा कि किसान, वैज्ञानिक व कृषि अधिकारी मिलकर खेती को आजीविका का साधन न मानकर एक मिशन की तरह काम करें। इससे न केवल किसानों की आमदनी में इजाफा होगा। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार व बागवानी विभाग हरियाणा सरकार के संयुक्त तत्वावधान में वर्चुअल माध्यम से बागवानी अधिकारियों की आयोजित कार्यशाला को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान करते हुए कहा कि वे किसान की समस्या को ध्यान में रखते हुए दुनिया की सर्वश्रेष्ठ तकनीक किसान तक लेकर आएं। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे किसानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य करें। दिनों दिन पानी की कमी हो रही है, ऐसे में वैज्ञानिक कम पानी में तैयार की जाने वाली फसलों व बागवानी जैसी विभिन्न किस्मों व तकनीकों को विकसित करें ताकि कम खर्च में किसानों की आमदनी बढ़ाई जा सके। उन्होंने ज्यादा से ज्यादा किसानों को बागवानी व सब्जियों की ओर प्रेरित करने का आह्वान किया। कृषि मंत्री जे.पी. दलाल ने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से बाजार में उपलब्ध हाइब्रिड बीजों की तरह स्वयं का इसी प्रकार के हाइब्रिड बीज का ब्रांड तैयार कर कम लागत में किसानों को उपलब्ध करवाने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश की सीमाएं राष्ट्रीय राजधानी से सट्टी हुई हैं इसलिए किसानों को अधिक से अधिक फायदा उठाने के लिए स्वयं सीधी मार्केटिंग करते हुए उसी अनुरूप लोगों की डिमांड अनुसार फल व सब्जियों की खेती करनी चाहिए

एचएयू वैज्ञानिक अब गांव-गांव जाकर करेंगे मिट्टी-पानी जांच : प्रो० काम्बोज

वेलकम इंडिया

हिसार/ हांसी। चौधरी चरण सिंह कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक खुद किसानों के पास जाकर उनके खेत की मिट्टी-पानी की जांच करेंगे। अब मिट्टी-पानी जांच के लिए हिसार स्थित लैब के अलावा यह सुविधा नजदीकी कृषि विज्ञान केंद्र के माध्यम से किसानों को उपलब्ध हो पाएगी।

इसके लिए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने मोबाइल डाइगनोस्टिक कम एक्जीबीशन यूनिट (मिट्टी-पानी जांच एवं प्रदर्शनी वाहन) को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कुलपति ने कहा कि किसानों को मिट्टी-पानी जांच व अन्य तकनीकों के प्रति अधिक से अधिक जागरूक करने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने किसान हितों के लिए यह फैसला लिया है।

बिना मिट्टी-पानी जांच नहीं मिल पाती उचित पैदावार: कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने बताया कि बिना खेत की मिट्टी-पानी जांच के किसान फसलों व अन्य बागवानी फसलों में आवश्यकतानुसार उचित खाद-पानी नहीं दे पाते जिसके चलते उन्हें फसलों से उचित पैदावार हासिल नहीं हो पाती। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे अपने खेत की मिट्टी की जांच समय-समय पर अवश्य करा लें। इससे न केवल किसानों द्वारा खेतों में प्रयोग किए जाने वाले रसायनिक उर्वरकों का खर्च कम होगा जिससे किसान की आर्थिक बचत होगी बल्कि पर्यावरण संरक्षण भी होगा। उन्होंने कहा कि किसान विश्वविद्यालय द्वारा तय की गई सिफारिशों अनुसार ही रसायनों, कीटनाशकों व अन्य खादों का प्रयोग करें।

कुलपति प्रो. काम्बोज ने मिट्टी-पानी जांच एवं प्रदर्शनी वाहन को झंडी दिखाकर किया रवाना

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह कृषि विश्वविद्यालय हिसार के वैज्ञानिक खुद किसानों के पास जाकर उनके खेत की मिट्टी-पानी की जांच करेंगे। अब मिट्टी-पानी जांच के लिए हिसार स्थित लैब के अलावा यह सुविधा नजदीकी कृषि विज्ञान केंद्र के माध्यम से किसानों को उपलब्ध हो पाएगी। इसके लिए कुलपति प्रोफेसर बी. आर. काम्बोज ने मोबाइल डाइगनोस्टिक कम एक्जीबीशन यूनिट (मिट्टी-पानी जांच एवं प्रदर्शनी वाहन) को झंडी दिखाकर रवाना किया। कुलपति ने कहा कि किसानों को मिट्टी-पानी जांच व अन्य तकनीकों के प्रति अधिक से अधिक जागरूक करने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने किसान हितों के लिए यह फैसला लिया है।

हिसार। प्रदर्शनी वाहन को झंडी दिखाकर रवाना करते कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज।

कुलपति ने बताया कि बिना खेत की मिट्टी-पानी जांच के किसान फसलों व अन्य बागवानी फसलों में आवश्यकतानुसार उचित खाद-पानी नहीं दे पाते जिसके चलते उन्हें फसलों से उचित पैदावार हासिल नहीं हो पाती। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे अपने खेत की मिट्टी की जांच समय-समय पर अवश्य करा लें। इससे न केवल किसानों द्वारा खेतों में प्रयोग किए जाने वाले रसायनिक उर्वरकों का खर्च कम होगा जिससे किसान की आर्थिक बचत होगी बल्कि पर्यावरण संरक्षण भी होगा।

कृषि को आजीविका की बजाय मिशन मानकर करें काम: जयप्रकाश दलाल

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जयप्रकाश दलाल ने कहा कि किसान, वैज्ञानिक व कृषि अधिकारी मिलकर खेती को आजीविका का साधन न मानकर एक मिशन की तरह काम करें। इससे न केवल किसानों की आमदनी में इजाफा होगा। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार व बागवानी विभाग हरियाणा सरकार के संयुक्त तत्वावधान में वर्चुअल माध्यम से बागवानी अधिकारियों की आयोजित कार्यशाला को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान करते हुए कहा कि वे किसान की समस्या को ध्यान में रखते हुए दुनिया की सर्वश्रेष्ठ तकनीक किसान तक लेकर आएं। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे किसानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य करें। दिनों दिन पानी की कमी हो रही है, ऐसे में वैज्ञानिक कम पानी में

तैयार की जाने वाली फसलों व बागवानी जैसी विभिन्न किस्मों व तकनीकों को विकसित करें ताकि कम खर्च में किसानों की आमदनी बढ़ाई जा सके। इस दौरान प्रदेश के प्रगतिशील किसानों की सफलता की कहानी नामक पत्रिका का भी विमोचन किया गया।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने वैज्ञानिकों से आह्वान करते हुए कहा कि वे क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए उन्नत तकनीकों व किस्मों को विकसित करें ताकि उस क्षेत्र के किसानों को इनका लंबे समय तक फायदा मिल सके। उन्होंने कहा कि साथ ही ऐसी तकनीकों को विकसित करने की आवश्यकता है जिससे फसलों में रसायनों का कम से कम प्रयोग हो सके और लोगों को शुद्ध व रसायन रहित खानपान हासिल हो सके।

कृषि विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने कहा कि इस कार्यशाला में अर्जित ज्ञान का अधिक से अधिक लाभ उठाएं ताकि उसका स्पष्ट असर किसानों के खेतों में नजर आए और अधिक से अधिक किसान लाभांवित हो सकें। उन्होंने केंद्र व राज्य सरकार की किसान हितैषी योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी। एचएसएचडीए के मिशन डायरेक्टर एवं महानिदेशक (कृषि) हरियाणा डॉ. हरदीप सिंह ने कहा कि इस कार्यशाला के दौरान जो भी सिफारिशें मंजूर की जाएं उनका ज्यादा से ज्यादा किसानों तक पहुंचाया जाना चाहिए।

कृषि को आजीविका की बजाय मिशन मानकर करें काम : जेपी दलाल

एचएयू में बागवानी अधिकारियों की वर्चुअल कार्यशाला में बागवानी में समग्र सिफारिशों को शामिल करने को लेकर हुआ मंथन

भारत सारथी

हिसार 09 जुलाई। प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जयप्रकाश दलाल ने कहा कि किसान वैज्ञानिक व कृषि अधिकारी मिलकर खेती को आजीविका का साधन न मानकर एक मिशन की तरह काम करें। इससे न केवल किसानों की आमदनी में इजाफा होगा। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार व बागवानी विभाग हरियाणा सरकार के संयुक्त तत्वावधान में वर्चुअल माध्यम से बागवानी अधिकारियों की आयोजित कार्यशाला को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान करते हुए कहा कि वे किसान की समस्या को ध्यान में रखते हुए, दुनिया की सर्वश्रेष्ठ तकनीक किसान तक लेकर आएं। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे किसानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य करें। दिनों दिन पानी की कमी हो रही है, ऐसे में वैज्ञानिक कम पानी में तैयार की जाने वाली फसलों व बागवानी जैसी विभिन्न किस्मों व तकनीकों को विकसित करें ताकि कम खर्च में किसानों की आमदनी बढ़ाई जा सके। उन्होंने ज्यादा से ज्यादा किसानों को बागवानी व सब्जियों की ओर प्रेरित करने का आह्वान किया।

कृषि मंत्री जे.पी. दलाल ने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से बाजार में उपलब्ध हाइब्रिड बीजों की तरह स्वयं का इसी प्रकार के हाइब्रिड बीज का ब्रांड तैयार कर कम लागत में किसानों को उपलब्ध करवाने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश की सीमाएं राष्ट्रीय राजधानी से सटी हुई हैं इसलिए किसानों को अधिक से अधिक फायदा उठाने के लिए स्वयं सीधी मार्केटिंग करते हुए उसी अनुरूप लोगों की डिमांड अनुसार फल व सब्जियों की खेती करनी चाहिए। उन्होंने किसानों से समूह बनाकर खेती करने का आह्वान किया ताकि उन्हें बाजार तक अपनी फसल को पहुंचाने में परिवहन की लागत कम हो सके और अधिक से अधिक लाभ मिल सके। इस दौरान प्रदेश के प्रगतिशील किसानों की सफलता की कहानी नामक पत्रिका का भी विमोचन किया गया।

क्षेत्र अनुसार तकनीक व किस्में विकसित करें ताकि लंबे समय तक मिले फायदा : प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने वैज्ञानिकों से आह्वान करते हुए कहा कि वे क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए उन्नत तकनीकों व किस्मों को विकसित करें ताकि उस क्षेत्र के किसानों को इनका लंबे समय तक फायदा मिल सके। उन्होंने कहा कि साथ ही ऐसी तकनीकों को विकसित करने की आवश्यकता है जिससे फसलों में रसायनों का कम से कम प्रयोग हो सके और लोगों को शुद्ध व रसायन रहित खानपान हासिल हो सके। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे विश्वविद्यालय द्वारा सिफारिश किए गए रसायनों व कीटनाशकों का ही प्रयोग करें और वैज्ञानिकों की सलाह लेकर उचित मात्रा, समय, स्थान व समस्या को ध्यान में रखकर प्रयोग करें। कृषि विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा, आईएएस ने संबोधित करते हुए किसान उत्पादक समूह बनाकर अधिक से अधिक लाभ उठाएं। प्रदेश में 600 किसान उत्पादक समूह बन चुके हैं और जल्द ही एक हजार समूह बनाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस कार्यशाला में अर्जित ज्ञान का अधिक से अधिक लाभ उठाएं ताकि उसका स्पष्ट असर किसानों के खेतों में नजर आए और अधिक से अधिक किसान लाभांवित हो सकें। उन्होंने केंद्र व राज्य सरकार की किसान हितैषी योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी।

एचएसएचडीए के मिशन डायरेक्टर एवं महानिदेशक (कृषि) हरियाणा डॉ. हरदीप सिंह, आईएएस ने कहा कि इस कार्यशाला के दौरान जो भी सिफारिशें मंजूर की जाएं उनका ज्यादा से ज्यादा किसानों तक पहुंचाया जाना चाहिए। महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय करनाल के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बागवानी के क्षेत्र में किए जा रहे विश्वविद्यालय के प्रयासों के बारे में जानकारी दी और बताया कि इसके लिए वे निरंतर प्रयासरत हैं।

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास ढांडा ने निदेशालय की ओर से किसान हितों के लिए की जा रही कल्याणकारी गतिविधियों के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने विश्वविद्यालय में फल व सब्जियों को लेकर चल रहे अनुसंधान कार्यों की जानकारी दी। हरियाणा के महानिदेशक डॉ. अर्जुन सिंह ने भी अपने विचार रखे। बागवानी विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. रणबीर सिंह ने सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद किया। मंच का संचालन डॉ. सुनील ढांडा ने किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष सहित सभी जिलों के बागवानी विभाग के अधिकारी, फील्ड अधिकारी व किसान शामिल हुए।

प्रादेशिक

एचएयू वैज्ञानिक अब गांव-गांव जाकर करेंगे मिट्टी-पानी की जांच: प्रो. काम्बोज

पल पल न्यूज: हिसार, 10 जुलाई। चौधरी चरण सिंह कृषि विश्वविद्यालय हिसार के वैज्ञानिक खुद किसानों के पास जाकर उनके खेत की मिट्टी-पानी की जांच करेंगे। अब मिट्टी-पानी जांच के लिए हिसार स्थित लैब के अलावा यह सुविधा नजदीकी कृषि विज्ञान केंद्र के माध्यम से किसानों को उपलब्ध हो पाएगी। इसके लिए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने मोबाइल डाइगनोस्टिक कम एक्जीबीशन यूनिट (मिट्टी-पानी जांच एवं प्रदर्शनी वाहन) को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कुलपति ने कहा कि किसानों को मिट्टी-पानी जांच व अन्य तकनीकों के प्रति अधिक से अधिक जागरूक करने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने

किसान हितों के लिए यह फैसला लिया है। कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने बताया कि बिना खेत की मिट्टी-पानी जांच के किसान फसलों व अन्य बागवानी फसलों में आवश्यकतानुसार उचित खाद-पानी नहीं दे पाते जिसके चलते उन्हें फसलों से उचित पैदावार हासिल नहीं हो पाती। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे अपने खेत की मिट्टी की जांच समय-समय पर अवश्य करा लें। इससे न केवल किसानों द्वारा खेतों में प्रयोग किए जाने वाले रसायनिक उर्वरकों का खर्च कम होगा जिससे किसान की आर्थिक बचत होगी बल्कि पर्यावरण संरक्षण भी होगा। उन्होंने कहा कि किसान विश्वविद्यालय द्वारा तय की गई सिफारिशों अनुसार ही रसायनों, कीटनाशकों व अन्य खादों का प्रयोग करें ताकि अच्छी व भरपूर पैदावार ली जा सके। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास ढांडा ने बताया कि विश्वविद्यालय के सभी कृषि विज्ञान केंद्रों पर इस वैन के कार्यक्रम तय किए गए हैं जिसके तहत यह वैन विज्ञान केंद्रों पर जाएगी और आसपास के क्षेत्रों के किसानों के खतों की मिट्टी पानी की जांच करेगी। यह मिट्टी-पानी लैब की सभी सुविधाओं से सुसज्जित है। इसके अलावा इस वैन के माध्यम से किसानों को कृषि और किसान कल्याण विभाग व विश्वविद्यालय द्वारा किसान हितों के लिए किए जा रहे कार्यों की लघु फिल्म भी दिखाई जाएगी।

एचएयू वैज्ञानिक अब गांव-गांव जाकर करेंगे मिट्टी-पानी की जांच

एचएयू कुलपति ने मिट्टी पानी जांच एवं प्रदर्शनी वाहन को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह कृषि विश्वविद्यालय हिसार के वैज्ञानिक खुद किसानों के पास जाकर उनके खेत की मिट्टी-पानी की जांच करेंगे। अब मिट्टी-पानी जांच के लिए हिसार स्थित लैब के अलावा यह सुविधा नजदीकी कृषि विज्ञान केंद्र के माध्यम से किसानों को उपलब्ध हो पाएगी। इसके लिए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने मोबाइल डाइगनोस्टिक कम एक्जीबीशन यूनिट (मिट्टी-पानी जांच एवं प्रदर्शनी वाहन) को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कुलपति ने

कहा कि किसानों को मिट्टी-पानी जांच व अन्य तकनीकों के प्रति अधिक से अधिक जागरूक करने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने किसान हितों के लिए यह फैसला लिया है।

बिना मिट्टी-पानी जांच नहीं मिल पाती उचित पैदावार : कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने बताया कि बिना खेत की मिट्टी-पानी जांच के किसान फसलों व अन्य बागवानी फसलों में आवश्यकतानुसार उचित खाद-पानी नहीं दे पाते जिसके चलते उन्हें फसलों से उचित पैदावार हासिल नहीं हो पाती। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे अपने खेत की मिट्टी की जांच समय-समय पर अवश्य करा लें। इससे न केवल किसानों द्वारा खेतों में प्रयोग किए जाने वाले रसायनिक उर्वरकों का खर्च कम होगा जिससे किसान की आर्थिक बचत होगी बल्कि पर्यावरण संरक्षण भी होगा। उन्होंने कहा कि किसान विश्वविद्यालय द्वारा तय की गई सिफारिशों अनुसार ही रसायनों, कीटनाशकों व अन्य खादों का प्रयोग करें ताकि अच्छी व भरपूर पैदावार ली जा सके।

सबसे पहले केवीके सदलपुर में होगा स्वागत : सह-निदेशक(विस्तार) डॉ. कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि इस वैन का सबसे पहला कार्यक्रम कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर, हिसार में रखा गया है। यहां के इंचार्ज आसपास के गांवों के किसानों को इस बारे में जागरूक करेंगे और इसका अधिक से अधिक फायदा उठाने के लिए प्रेरित करेंगे। इसके बाद प्रदेशभर में प्रत्येक जिले में स्थित विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से किसानों को सुविधा प्रदान करेगी। इसके लिए सभी विज्ञान केंद्रों के इंचार्जों की ड्यूटियां लगाई गई हैं।

प्रत्येक केवीके के लिए निर्धारित किए हैं कार्यक्रम : डॉ. रामनिवास ढांडा

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास ढांडा ने बताया कि विश्वविद्यालय के सभी कृषि विज्ञान केंद्रों पर इस वैन के कार्यक्रम तय किए गए हैं जिसके तहत यह वैन विज्ञान केंद्रों पर जाएगी और आसपास के क्षेत्रों के किसानों के खतों की मिट्टी पानी की जांच करेगी। यह मिट्टी-पानी लैब की सभी सुविधाओं से सुसज्जित है। इसके अलावा इस वैन के माध्यम से किसानों को कृषि और किसान कल्याण विभाग व विश्वविद्यालय द्वारा किसान हितों के लिए किए जा रहे कार्यों की लघु फिल्म भी दिखाई जाएगी। साथ ही विश्वविद्यालय की ओर से विभिन्न फसलों की उन्नत किस्में और विकसित तकनीकों के बारे में भी जानकारी दी जाएगी। इस वैन में एक टीम इंचार्ज, कृषि विज्ञान केंद्र से वैज्ञानिक, लैब सहायक व मृदा विज्ञान विभाग से एक तकनीकी लैब सहायक शामिल होंगे जो किसानों को जानकारी देगा।

कृषि को मिशन बनाने से बढ़ेगी किसानों की आय:कृषि मंत्री

पल पल न्यूज: हिसार, 9 जुलाई। प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जयप्रकाश दलाल ने कहा कि किसान, वैज्ञानिक व कृषि अधिकारी मिलकर खेती को आजीविका का साधन न मानकर एक मिशन की तरह काम करें। इससे किसानों की आमदनी में इजाफा होगा। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार व बागवानी विभाग हरियाणा सरकार के संयुक्त तत्वावधान में वर्चुअल माध्यम से बागवानी अधिकारियों की आयोजित कार्यशाला को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान करते हुए कहा कि वे किसान की समस्या को ध्यान में रखते हुए दुनिया की सर्वश्रेष्ठ तकनीक किसान तक लेकर आएं। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे किसानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य करें। दिनों दिन पानी की कमी हो रही है, ऐसे में वैज्ञानिक कम पानी में तैयार की जाने वाली फसलों व बागवानी जैसी विभिन्न किस्मों व तकनीकों को विकसित करें ताकि कम खर्च में किसानों की आमदनी बढ़ाई जा सके। उन्होंने ज्यादा से ज्यादा किसानों को बागवानी व सब्जियों की ओर प्रेरित करने का आह्वान किया। कृषि मंत्री जे.पी. दलाल ने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से बाजार में उपलब्ध हाइब्रिड बीजों की तरह स्वयं का इसी प्रकार के हाइब्रिड बीज का ब्रांड तैयार कर कम लागत में किसानों को उपलब्ध करवाने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश की सीमाएं राष्ट्रीय राजधानी से सट्टी हुई

हैं इसलिए किसानों को अधिक से अधिक फायदा उठाने के लिए स्वयं सीधी मार्केटिंग करते हुए उसी अनुरूप लोगों की डिमांड अनुसार फल व सब्जियों की खेती करनी चाहिए। उन्होंने किसानों से समूह बनाकर खेती करने का आह्वान किया ताकि उन्हें बाजार तक अपनी फसल को पहुंचाने में परिवहन की लागत कम हो सके और अधिक से अधिक लाभ मिल सके। इस दौरान प्रदेश के प्रगतिशील किसानों की सफलता की कहानी नामक पत्रिका का भी विमोचन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने वैज्ञानिकों से आह्वान करते हुए कहा कि वे क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए उन्नत तकनीकों व किस्मों को विकसित करें ताकि उस क्षेत्र के किसानों को इनका लंबे समय तक फायदा मिल सके। उन्होंने कहा कि साथ ही ऐसी तकनीकों को विकसित करने की आवश्यकता है जिससे फसलों में रसायनों का कम से कम प्रयोग हो सके और लोगों को शुद्ध व रसायन रहित खानपान हासिल हो सके। डॉ. हरदीप सिंह, आईएएस ने कहा कि इस कार्यशाला के दौरान जो भी सिफारिशें मंजूर की जाएं उनका ज्यादा से ज्यादा किसानों तक पहुंचाया जाना चाहिए। महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय करनाल के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बागवानी के क्षेत्र में किए जा रहे विश्वविद्यालय के प्रयासों के बारे में जानकारी दी और बताया कि इसके लिए वे निरंतर प्रयासरत हैं। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास ढांडा ने निदेशालय की ओर से किसान हितों के लिए की जा रही कल्याकारी गतिविधियों के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने विश्वविद्यालय में फल व सब्जियों को लेकर चल रहे अनुसंधान कार्यों की जानकारी दी। हरियाणा के महानिदेशक डॉ. अर्जुन सिंह ने भी अपने विचार रखे। बागवानी विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. रणबीर सिंह ने सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद किया। मंच का संचालन डॉ. सुनील ढांडा ने किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष सहित सभी जिलों के बागवानी विभाग के अधिकारी, फील्ड अधिकारी व किसान शामिल हुए।

मिट्टी, पानी की जांच के लिए चलती फिरती लैब कुलपति ने की रवाना

हिसार/10 जुलाई/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक खुद किसानों के पास जाकर उनके खेत की मिट्टी-पानी की जांच करेंगे। अब मिट्टी-पानी जांच के लिए हिसार स्थित लैब के अलावा यह सुविधा नजदीकी कृषि विज्ञान केंद्र के माध्यम से किसानों को उपलब्ध हो पाएगी। इसके लिए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने मोबाइल डाइगनोस्टिक कम एक्जीबीशन यूनिट (मिट्टी-पानी जांच एवं प्रदर्शनी वाहन) को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कुलपति ने कहा कि किसानों को मिट्टी-पानी जांच व अन्य तकनीकों के प्रति अधिक से अधिक जागरूक करने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने किसान हितों के लिए यह फैसला लिया है। कुलपति काम्बोज ने बताया कि बिना खेत की मिट्टी-पानी जांच के किसान फसलों व अन्य बागवानी फसलों में आवश्यकतानुसार उचित खाद-पानी नहीं दे पाते जिसके चलते उन्हें फसलों से उचित पैदावार हासिल नहीं हो पाती। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे अपने खेत की मिट्टी की जांच समय-समय पर अवश्य करा लें। इससे न केवल किसानों द्वारा खेतों में प्रयोग किए जाने वाले रसायनिक उर्वरकों का खर्च कम होगा जिससे किसान की आर्थिक बचत होगी बल्कि पर्यावरण संरक्षण भी होगा। उन्होंने कहा कि किसान विश्वविद्यालय द्वारा तय की गई सिफारिशों अनुसार ही रसायनों, कीटनाशकों व अन्य खादों का प्रयोग करें ताकि अच्छी व भरपूर पैदावार ली जा सके। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास ढांडा ने बताया कि विश्वविद्यालय के सभी कृषि विज्ञान केंद्रों पर इस वैन के कार्यक्रम तय किए गए हैं जिसके तहत यह वैन विज्ञान केंद्रों पर जाएगी और आसपास के क्षेत्रों के किसानों के खेतों की मिट्टी पानी की जांच करेगी। यह मिट्टी-पानी लैब की सभी सुविधाओं से सुसज्जित है। इसके अलावा इस वैन के माध्यम से किसानों को कृषि और किसान कल्याण विभाग व विश्वविद्यालय द्वारा किसान हितों के लिए किए जा रहे कार्यों की लघु फिल्म भी दिखाई जाएगी। साथ ही विश्वविद्यालय की ओर से विभिन्न फसलों की उन्नत किस्में और विकसित तकनीकों के बारे में भी जानकारी दी जाएगी। सह-निदेशक(विस्तार) डॉ. कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि इस वैन का सबसे पहला कार्यक्रम कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर में रखा गया है। यहां के इंचार्ज आसपास के गांवों के किसानों को इस बारे में जागरूक करेंगे और इसका अधिक से अधिक फायदा उठाने के लिए प्रेरित करेंगे।

कृषि को आजीविका की बजाय मिशन मानकर करें काम: कृषि मंत्री

पल पल न्यूज: हिसार, 9 जुलाई। प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जयप्रकाश दलाल ने कहा कि किसान, वैज्ञानिक व कृषि अधिकारी मिलकर खेती को आजीविका का साधन न मानकर एक मिशन की तरह काम करें। इससे किसानों की आमदनी में इजाफा होगा। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार व बागवानी विभाग हरियाणा सरकार के संयुक्त तत्वावधान में वर्चुअल माध्यम से बागवानी अधिकारियों की आयोजित कार्यशाला को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान करते हुए कहा कि वे किसान की समस्या को ध्यान में रखते हुए दुनिया की सर्वश्रेष्ठ तकनीक किसान तक लेकर आएं। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे किसानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य करें। दिनों दिन पानी की कमी हो रही है, ऐसे में वैज्ञानिक कम पानी में तैयार की जाने वाली फसलों व बागवानी जैसी विभिन्न किस्मों व तकनीकों को विकसित करें ताकि कम खर्च में किसानों की आमदनी बढ़ाई जा सके। उन्होंने ज्यादा से ज्यादा किसानों को बागवानी व सब्जियों की ओर प्रेरित करने का आह्वान किया। कृषि मंत्री जे.पी. दलाल ने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से बाजार में उपलब्ध हाइब्रिड बीजों की तरह स्वयं का इसी प्रकार के हाइब्रिड बीज का ब्रांड तैयार कर कम लागत में किसानों को उपलब्ध करवाने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश की सीमाएं राष्ट्रीय राजधानी से सट्टी हुई

है इसलिए किसानों को अधिक से अधिक फायदा उठाने के लिए स्वयं सीधी मार्केटिंग करते हुए उसी अनुरूप लोगों की डिमांड अनुसार फल व सब्जियों की खेती करनी चाहिए। उन्होंने किसानों से समूह बनाकर खेती करने का आह्वान किया ताकि उन्हें बाजार तक अपनी फसल को पहुंचाने में परिवहन की लागत कम हो सके और अधिक से अधिक लाभ मिल सके। इस दौरान प्रदेश के प्रगतिशील किसानों की सफलता की कहानी नामक पत्रिका का भी विमोचन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने वैज्ञानिकों से आह्वान करते हुए कहा कि वे क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए उन्नत तकनीकों व किस्मों को विकसित करें ताकि उस क्षेत्र के किसानों को इनका लंबे समय तक फायदा मिल सके। उन्होंने कहा कि साथ ही ऐसी तकनीकों को विकसित करने की आवश्यकता है जिससे फसलों में रसायनों का कम से कम प्रयोग हो सके और लोगों को शुद्ध व रसायन रहित खानपान हासिल हो सके। डॉ. हरदीप सिंह, आईएएस ने कहा कि इस कार्यशाला के दौरान जो भी सिफारिशें मंजूर की जाएं उनका ज्यादा से ज्यादा किसानों तक पहुंचाया जाना चाहिए। महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय करनाल के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बागवानी के क्षेत्र में किए जा रहे विश्वविद्यालय के प्रयासों के बारे में जानकारी दी और बताया कि इसके लिए वे निरंतर प्रयासरत हैं। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास ढांडा ने निदेशालय की ओर से किसान हितों के लिए की जा रही कल्याकारी गतिविधियों के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने विश्वविद्यालय में फल व सब्जियों को लेकर चल रहे अनुसंधान कार्यों की जानकारी दी। हरियाणा के महानिदेशक डॉ. अर्जुन सिंह ने भी अपने विचार रखे। बागवानी विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. रणबीर सिंह ने सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद किया। मंच का संचालन डॉ. सुनील ढांडा ने किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष सहित सभी जिलों के बागवानी विभाग के अधिकारी, फील्ड अधिकारी व किसान शामिल हुए।

कृषि को आजीविका की बजाय मिशन मानकर करें काम : जेपी दलाल

हकृवि में बागवानी अधिकारियों की वर्चुअल कार्यशाला में बागवानी में समग्र सिफारिशों को शामिल करने को लेकर हुआ मंथन

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जयप्रकाश दलाल ने कहा कि किसान, वैज्ञानिक व कृषि अधिकारी मिलकर खेती को आजीविका का साधन न मानकर एक मिशन की तरह काम करें। इससे न केवल किसानों की आमदनी में इजाफा होगा। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार व बागवानी विभाग हरियाणा सरकार के संयुक्त तत्वावधान में वर्चुअल माध्यम से बागवानी अधिकारियों की आयोजित कार्यशाला को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान करते हुए कहा कि वे किसान की समस्या को ध्यान में रखते हुए दुनिया की सर्वश्रेष्ठ तकनीक किसान तक लेकर आएं।

उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे किसानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य करें। दिनों दिन पानी की कमी हो रही है, ऐसे में वैज्ञानिक कम पानी में तैयार की जाने वाली फसलों व बागवानी जैसी विभिन्न किस्मों व तकनीकों को विकसित करें ताकि कम खर्च में किसानों की आमदनी बढ़ाई जा सके। उन्होंने ज्यादा से ज्यादा किसानों को बागवानी व

सब्जियों की ओर प्रेरित करने का आह्वान किया। कृषि मंत्री जे.पी. दलाल ने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से बाजार में उपलब्ध हाइब्रिड बीजों की तरह स्वयं का इसी प्रकार के हाइब्रिड बीज का ब्रांड तैयार कर कम लागत में किसानों को उपलब्ध करवाने के लिए कहा। इस दौरान प्रदेश के प्रगतिशील किसानों की सफलता की कहानी नामक पत्रिका का भी विमोचन किया गया।

कृषि विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा, आईएएस ने संबोधित करते हुए किसान उत्पादक समूह बनाकर अधिक से अधिक लाभ उठाएं। प्रदेश में 600 किसान उत्पादक समूह बन चुके हैं और जल्द ही एक हजार समूह बनाए जाएंगे।

एचएसएचडीए के मिशन डायरेक्टर एवं महानिदेशक(कृषि) हरियाणा डॉ. हरदीप सिंह, आईएएस ने कहा कि इस कार्यशाला के दौरान जो भी सिफारिशें मंजूर की जाएं उनका ज्यादा से ज्यादा किसानों तक पहुंचाया जाना चाहिए। महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय करनाल के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बागवानी के क्षेत्र में किए जा रहे विश्वविद्यालय के प्रयासों के बारे में जानकारी दी और बताया कि इसके लिए

क्षेत्र अनुसार तकनीक व किस्में विकसित करें वैज्ञानिक : वीसी

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने वैज्ञानिकों से आह्वान करते हुए कहा कि वे क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए उन्नत तकनीकों व किस्मों को विकसित करें ताकि उस क्षेत्र के किसानों को इनका लंबे समय तक फायदा मिल सके। उन्होंने कहा कि साथ ही ऐसी तकनीकों को विकसित करने की आवश्यकता है जिससे फसलों में रसायनों का कम से कम प्रयोग हो सके और लोगों को शुद्ध व रसायन रहित खानपान हासिल हो सके। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे विश्वविद्यालय द्वारा सिफारिश किए गए रसायनों व कीटनाशकों का ही प्रयोग करें और वैज्ञानिकों की सलाह लेकर उचित मात्रा, समय, स्थान व समस्या को ध्यान में रखकर प्रयोग करें।

वे निरंतर प्रयासरत हैं। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास ढांडा ने निदेशालय की ओर से किसान हितों के लिए की जा रही कल्याकारी गतिविधियों के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने विश्वविद्यालय में फल व सब्जियों को लेकर चल रहे अनुसंधान कार्यों की जानकारी दी। हरियाणा के महानिदेशक डॉ. अर्जुन सिंह ने भी अपने विचार रखे। बागवानी विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. रणबीर सिंह ने सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद किया। मंच का संचालन डॉ. सुनील ढांडा ने किया।

किसान, वैज्ञानिक व कृषि अधिकारी खेती को मिशन मानकर काम करें : दलाल

हिसार/09 जुलाई/रिपोर्टर

प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जयप्रकाश दलाल ने कहा कि किसान, वैज्ञानिक व कृषि अधिकारी मिलकर खेती को आजीविका का साधन न मानकर एक मिशन की तरह काम करें जिससे किसानों की आमदनी में इजाफा होगा। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय व बागवानी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में वर्चुअल माध्यम से बागवानी अधिकारियों की आयोजित कार्यशाला को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान करते हुए कहा कि वे किसान की समस्या को ध्यान में रखते हुए दुनिया की सर्वश्रेष्ठ तकनीक किसान तक लेकर आएं। उन्होंने वैज्ञानिकों से कहा कि वे किसानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य करें। दिनों दिन पानी की कमी हो रही है, ऐसे में वैज्ञानिक कम पानी में तैयार की जाने वाली फसलों व बागवानी जैसी विभिन्न किस्मों व तकनीकों को विकसित करें ताकि कम खर्च में किसानों की आमदनी बढ़ाई जा सके। उन्होंने ज्यादा से ज्यादा किसानों को बागवानी व सब्जियों की ओर प्रेरित करने का आह्वान किया। कृषि मंत्री जेपी दलाल ने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से बाजार में उपलब्ध हाइब्रिड बीजों की तरह स्वयं का इसी प्रकार के हाइब्रिड बीज का ब्रांड तैयार कर कम लागत में किसानों को उपलब्ध करवाने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश की सीमाएं राष्ट्रीय राजधानी से सटी हुई हैं इसलिए किसानों को अधिक से अधिक फायदा उठाने के लिए स्वयं सीधी मार्केटिंग करते हुए उसी अनुरूप लोगों की डिमांड अनुसार फल व सब्जियों की खेती करनी चाहिए। उन्होंने किसानों से समूह बनाकर खेती करने का आह्वान किया ताकि बाजार तक फसल को पहुंचाने में परिवहन की लागत कम हो सके और अधिक से अधिक लाभ मिल सके। इस दौरान प्रदेश के प्रगतिशील किसानों की सफलता की कहानी नामक पत्रिका का भी विमोचन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने वैज्ञानिकों से कहा कि वे क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए उन्नत तकनीकों व किस्मों को विकसित करें ताकि उस क्षेत्र के किसानों को इनका लंबे समय तक फायदा मिल सके।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

ाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
e Tribune	10.7.21	2	7-8

HIGH-YIELDING SUGARCANE VARIETY

Hisar: A high-yielding and early maturing sugarcane variety CoH 160 has been developed by scientists of Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University's Regional Research Station, Uchani in Karnal district for cultivation in Haryana. This variety has been recommended for notification by the Central Sub-Committee on 'Notification and Release of Varieties for Agricultural Crops', recently. Vice-Chancellor Dr BR Kamboj said on Friday the sugar industry in Haryana was in dire need of an early maturing and high-sugared variety, which was resistant against prevalent pathotypes of red rot disease and major pests. He said CoH 160 was fulfilling the present needs of the farming community and industry and was most suitable replacement to the dominant variety Co 0238 in Haryana. He hoped the variety would prove a wonder cane.

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	10.7.21	2	1-4

बागवानी के 80 प्रतिशत क्षेत्र में सब्जी उत्पादनः दलाल

कृषि विवि हिसार में वर्कशॉप का आयोजन

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ चंडीगढ़

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जेपी दलाल ने कहा कि कृषि को एक आजीविका न मानकर एक मिशन के रूप में काम करें।

■ कृषि मंत्री जेपी दलाल मुख्य अतिथि रहे

उन्होंने यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'बागवानी वर्कशॉप' में वर्चुअल माध्यम से कही। दलाल ने कहा कि किसानों को परम्परागत खेती से आधुनिक खेती की तरफ बढ़ाया जाए, इसके लिए धरातल पर अपने अनुभवों के आधार पर कृषि तकनीक को विकसित करने और कृषि व सम्बद्ध क्षेत्रों में नवाचार को बढ़ावा देने में

महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कुल बागवानी क्षेत्रफल में से लगभग 80 प्रतिशत क्षेत्रफल सब्जियों का है

कृषि मंत्री ने कहा कि प्रदेश के किसानों को अधिक जागरूक कर बागवानी की तरफ उनका रूझान बढ़ाया जाए ताकि वे परम्परागत खेती से कम लागत व कम पानी वाली फसलों को उगाकर अधिक मुनाफा कमा सकें क्योंकि पानी की बहुत बड़ी समस्या होती जा रही और पानी का लेवल भी नीचे गिर रहा है।

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ सुमिता मिश्रा ने अधिकारियों को कहा लम्बे समय से चली आ रही तकनीकों के अलावा नई तकनीकें भी अपनानी चाहिए जो किसानों की फसल के लिए मददगार साबित हो, समय के साथ-साथ हर क्षेत्र में बदलाव लाना जरूरी है। बागवानी क्षेत्र आज के समय में सबसे ज्यादा उत्पादन एवं आय देने वाला क्षेत्र है, इसके लिए अधिकारियों को अधिक से अधिक कार्य करने चाहिए। इस अवसर पर वर्कशॉप में कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के निदेशक हरदीप सिंह, बागवानी विभाग महानिदेशक निदेशक डॉ अर्जुन सैनी, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति व अन्य मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	10.7.21	4	2-5

हिसार | एचएयू में वर्चुअल कार्यशाला में बागवानी में कृषि मंत्री ने दी नसीहत

समस्या को देखते हुए तकनीक लाएं विज्ञानी

हिसार (वि.) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार व बागवानी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में वर्चुअल माध्यम से बागवानी अधिकारियों की कार्यशाला आयोजित हुई। जिसमें मुख्य अतिथि कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जयप्रकाश दलाल रहे। उन्होंने कहा कि किसान, विज्ञानी व कृषि अधिकारी मिलकर खेती को आजीविका का साधन न मानकर एक मिशन की तरह काम करें। इससे न केवल किसानों की आमदनी में इजाफा होगा। उन्होंने विज्ञानियों को सलाह दी कि वे किसान की समस्या को ध्यान में रखते हुए दुनिया की सर्वश्रेष्ठ तकनीक किसान तक लेकर आएं। किसानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य करें। इस दौरान एचएयू कुलपति प्रो बीआर कांबोज, करनाल स्थित बागवानी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो समर सिंह व अन्य उच्चाधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यशाला के दौरान मौजूद मुख्यातिथि कृषि मंत्री जेपी दलाल व अन्य। • हरिभूमि

हाइब्रिड बीज का विवि ब्रांड करे तैयार

कृषि मंत्री ने विश्वविद्यालय के विज्ञानियों से बाजार में उपलब्ध हाइब्रिड बीजों की तरह स्वयं का इसी प्रकार के हाइब्रिड बीज का ब्रांड तैयार कर कम लागत में किसानों को उपलब्ध करवाने के लिए कहा। प्रदेश की सीमाएं राष्ट्रीय राजधानी से सटी हुई हैं इसलिए किसानों को अधिक से अधिक फायदा उठाने के लिए स्वयं सीधी मार्केटिंग करते हुए लोगों की डिमांड अनुसार खेती करनी चाहिए।

कम पानी की फसलें लाएं

पानी की कमी हो रही है, विज्ञानी कम पानी में तैयार की जाने वाली फसलों जैसी विभिन्न किस्मों व तकनीकों को विकसित करें ताकि कम खर्च में किसानों की आमदनी बढ़ाई जा सके।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	10.7.21	5	6-8

कृषि को आजीविका की बजाय मिशन मानकर करें काम : कृषि मंत्री

हिसार, 9 जुलाई (देवानंद) : प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जयप्रकाश दलाल ने कहा कि किसान, वैज्ञानिक व कृषि अधिकारी मिलकर खेती को आजीविका का साधन न मानकर एक मिशन की तरह काम करें। इससे न केवल किसानों की आमदनी में इजाफा होगा। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार व बागवानी विभाग हरियाणा सरकार के संयुक्त तत्वावधान में वर्चुअल माध्यम से बागवानी अधिकारियों की आयोजित कार्यशाला को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान करते हुए कहा कि वे किसान की समस्या को ध्यान में रखते हुए दुनिया की सर्वश्रेष्ठ तकनीक किसान तक लेकर आएं। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे किसानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य करें। दिनों दिन पानी की कमी हो रही है, ऐसे में वैज्ञानिक कम पानी में तैयार की जाने वाली फसलों व बागवानी जैसी विभिन्न किस्मों व तकनीकों को विकसित करें ताकि कम खर्च में किसानों की आमदनी बढ़ाई जा सके। उन्होंने ज्यादा से ज्यादा किसानों को बागवानी व सब्जियों की ओर प्रेरित करने का आह्वान किया। उन्होंने किसानों से समूह बनाकर खेती करने का आह्वान किया।

क्षेत्र अनुसार तकनीक व किस्में विकसित करें : प्रो. काम्बोज : विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने वैज्ञानिकों से आह्वान करते हुए कहा कि वे क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए उन्नत तकनीकों व किस्मों को विकसित करें ताकि उस क्षेत्र के किसानों को इनका लंबे समय तक फायदा मिल सके। कृषि विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा, आईएएस ने संबोधित करते हुए किसान उत्पादक समूह बनाकर अधिक से अधिक लाभ उठाएं। प्रदेश में 600 किसान उत्पादक समूह बन चुके हैं और जल्द ही एक हजार समूह बनाए जाएंगे। एचएसएचडीए के मिशन डायरेक्टर एवं महानिदेशक (कृषि) हरियाणा डॉ. हरदीप सिंह, आईएएस ने कहा कि इस कार्यशाला के दौरान जो भी सिफारिशें मंजूर की जाएं उनका ज्यादा से ज्यादा किसानों तक पहुंचाया जाना चाहिए। महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय करनाल के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बागवानी के क्षेत्र में किए जा रहे विश्वविद्यालय के प्रयासों के बारे में जानकारी दी। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास डांडा ने निदेशालय की ओर से किसान हितों के लिए की जा रही कल्याकारी गतिविधियों के बारे में बताया। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने विश्वविद्यालय में फल व सब्जियों को लेकर चल रहे अनुसंधान कार्यों की जानकारी दी। हरियाणा के महानिदेशक डॉ. अर्जुन सिंह ने भी अपने विचार रखे। बागवानी विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. रणबीर सिंह ने सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद किया। मंच का संचालन डॉ. सुनील डांडा ने किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष सहित सभी जिलों के बागवानी विभाग के अधिकारी, फील्ड अधिकारी व किसान शामिल हुए।

बागवानी अधिकारियों की कार्यशाला के दौरान मौजूद मुख्यातिथि कृषि मंत्री जे.पी. दलाल व अन्य।

एचएयू में बागवानी अधिकारियों की वर्चुअल कार्यशाला में समग्र सिफारिशों को शामिल करने को लेकर हुआ मंथन

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	10.7.21	3	3-6

'कृषि को आजीविका की बजाय मिशन मानकर करें काम : कृषि मंत्री दलाल'

बागवानी अधिकारियों की कार्यशाला के दौरान मौजूद मुख्यातिथि कृषि मंत्री जे.पी. दलाल व अन्य।

बागवानी अधिकारियों की वर्चुअल कार्यशाला में बागवानी में समग्र सिफारिशों को शामिल करने को लेकर हुआ मंथन

हिसार, 9 जुलाई (पंकेस): प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जयप्रकाश दलाल ने कहा कि किसान, वैज्ञानिक व कृषि अधिकारी मिलकर खेती को आजीविका का साधन न मानकर एक मिशन की तरह काम करें। इससे न केवल किसानों की आमदनी में इजाफा होगा। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय व बागवानी विभाग हरियाणा सरकार के संयुक्त तत्वावधान में वर्चुअल माध्यम से बागवानी अधिकारियों की आयोजित कार्यशाला को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान करते हुए कहा कि वे किसान की समस्या को ध्यान में रखते हुए दुनिया की सर्वश्रेष्ठ तकनीक किसान तक लेकर आएं।

उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे किसानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य करें। दिनों दिन पानी की कमी हो रही है, ऐसे में वैज्ञानिक कम पानी में तैयार की जाने वाली फसलों व बागवानी जैसी विभिन्न किस्मों व तकनीकों को विकसित करें ताकि कम खर्च में किसानों की आमदनी बढ़ाई जा सके। उन्होंने ज्यादा से ज्यादा किसानों को बागवानी व सब्जियों की ओर प्रेरित करने का आह्वान किया। कृषि मंत्री जे.पी. दलाल ने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से बाजार में उपलब्ध हाइब्रिड बीजों की तरह रकबा का इसी प्रकार के हाइब्रिड बीज का ब्रांड तैयार कर कम लागत में किसानों को उपलब्ध करवाने के लिए कहा।

क्षेत्र अनुसार तकनीक व किस्में विकसित करें ताकि लंबे समय तक मिले फायदा : प्रो. काम्बोज

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने वैज्ञानिकों से आह्वान करते हुए कहा कि वे क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए उन्नत तकनीकों व किस्मों को विकसित करें ताकि उस क्षेत्र के किसानों को इनका लंबे समय तक फायदा मिल सके। उन्होंने कहा कि साथ ही ऐसी तकनीकों को विकसित करने की आवश्यकता है जिससे फसलों में रसायनों का कम से कम प्रयोग हो सके और लोगों को शुद्ध व रसायन रहित खानपान हासिल हो सके। कृषि विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने संबोधित करते हुए किसान उत्पादक समूह बनाकर अधिक से अधिक लाभ उठाएं। प्रदेश में 600 किसान उत्पादक समूह बन चुके हैं और जल्द ही एक हजार समूह बनाए जाएंगे।

एच.एस.एच.डी.ए. के मिशन डायरेक्टर एवं महानिदेशक (कृषि) हरियाणा डॉ. हरदीप सिंह ने कहा कि इस कार्यशाला के दौरान जो भी सिफारिशें मंजूर की जाएं उनको ज्यादा से ज्यादा किसानों तक पहुंचाया जाना चाहिए। महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय करनाल के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बागवानी के क्षेत्र में किए जा रहे विश्वविद्यालय के प्रयासों के बारे में जानकारी दी। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास ढांडा ने निदेशालय की ओर से किसान हितों के लिए की जा रही कल्याणकारी गतिविधियों के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने विश्वविद्यालय में फल व सब्जियों को लेकर चल रहे अनुसंधान कार्यों की जानकारी दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	10.7.21	2	3-6

एचएयू में बागवानी अधिकारियों की वर्चुअल कार्यशाला में कृषि मंत्री और वीसी ने रखे विचार

कृषि को आजीविका की बजाय मिशन मानकर काम करें तो आमदनी बढ़ेगी

भास्कर न्यूज | हिसार

प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जयप्रकाश दलाल ने कहा कि किसान, वैज्ञानिक व कृषि अधिकारी मिलकर खेती को आजीविका का साधन न मानकर एक मिशन की तरह काम करें। इससे किसानों की आमदनी में इजाफा होगा। वे एचएयू और बागवानी विभाग हरियाणा सरकार के संयुक्त तत्वावधान में वर्चुअल माध्यम से बागवानी अधिकारियों की आयोजित कार्यशाला को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान करते हुए कहा कि वे किसान की समस्या को ध्यान में रखते हुए दुनिया की सर्वश्रेष्ठ तकनीक किसान तक लेकर आएं। दिनों दिन पानी की कमी हो रही है, ऐसे में वैज्ञानिक कम पानी में तैयार की जाने वाली फसलों व बागवानी जैसी विभिन्न किस्मों व तकनीकों को विकसित करें ताकि कम खर्च में किसानों की आमदनी बढ़ाई जा सके। उन्होंने ज्यादा से ज्यादा किसानों को बागवानी व सब्जियों की ओर प्रेरित करने का आह्वान किया। कृषि मंत्री ने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से बाजार में उपलब्ध हाइब्रिड कॉर्न की तरह स्वयं का इसी प्रकार के हाइब्रिड बीज का कॉर्न तैयार कर कम लागत में किसानों को उपलब्ध करवाने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश की सीमाएं राष्ट्रीय राजधानी से सटी हुई हैं इसलिए किसानों को अधिक से अधिक फायदा उठाने के लिए स्वयं सोची मार्केटिंग करते हुए उसी अनुरूप लोगों की डिमांड अनुसार फल व सब्जियों की खेती करनी चाहिए। उन्होंने किसानों से समूह बनाकर खेती करने का आह्वान किया ताकि उन्हें बाजार तक अपनी फसल को पहुंचाने में परिवहन की लागत कम हो सके और अधिक से अधिक लाभ मिल सके। इस दौरान प्रदेश के प्रगतिशील किसानों की सफलता की कहानी नामक पत्रिका का भी विमोचन किया गया।

इधर, प्रो. बीआर काम्बोज बोले-क्षेत्र अनुसार तकनीक व किस्में विकसित करें ताकि लंबे समय तक मिले फायदा

एचएयू के वीसी प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने वैज्ञानिकों से आह्वान करते हुए कहा कि वे क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए उक्त तकनीकों व किस्मों को विकसित करें ताकि उस क्षेत्र के किसानों को इनका लंबे समय तक फायदा मिल सके। कृषि विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा, आईएएस ने संबोधित करते हुए किसान उत्पादक समूह बनाकर अधिक से अधिक लाभ उठाएं। एचएसएचडीए के मिशन डायरेक्टर एवं महानिदेशक (कृषि) हरियाणा डॉ. हरदीप सिंह, आईएएस ने कहा कि इस कार्यशाला के दौरान जो भी सिफारिशें मंजूर की जाए उनका ज्यादा से ज्यादा किसानों तक पहुंचाया जाना चाहिए। महाराणा प्रताप बागवानी विवि करनाल के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने भी संबोधित किया। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास डांडा, अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत और हरियाणा के महानिदेशक डॉ. अर्जुन सिंह ने भी अपने विचार रखे। बागवानी विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. रणबीर सिंह ने सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद किया। मंच का संचालन डॉ. सुनील डांडा ने किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	11.7.21	5	3-7

फसल पैदावार बढ़ाने के लिए एचएयू के वैज्ञानिक अब गांव-गांव जाकर करेंगे मिट्टी-पानी की जांच

एचएयू वीसी ने मिट्टी-पानी जांच एवं प्रदर्शनी वाहन को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना, रसायनिक उर्वरकों का खर्च कम होगा

भास्कर न्यूज | हिसार

एचएयू बिना मिट्टी-पानी जांच नहीं मिल पाती उचित पैदावार: वीसी प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने बताया कि बिना खेत की मिट्टी-पानी जांच के किसान फसलों व अन्य बागवानी फसलों में आवश्यकतानुसार उचित खाद-पानी नहीं दे पाते जिसके चलते उन्हें फसलों से उचित पैदावार हासिल नहीं हो पाती। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे अपने खेत की मिट्टी की जांच समय-समय पर अवश्य करा लें। इससे न केवल किसानों द्वारा खेती में प्रयोग किए जाने वाले रसायनिक उर्वरकों का खर्च कम होगा जिससे किसान को आर्थिक बचत होगी बल्कि पर्यावरण संरक्षण भी होगा। किसान विवि द्वारा तय की गई सिफारिशों अनुसार ही रसायनों, कीटनाशकों व अन्य खादों का प्रयोग करें ताकि अच्छी व भरपूर पैदावार ली जा सके।

डॉ. रामनिवास ने कहा- प्रत्येक केवीके सेंटर के लिए निर्धारित किए हैं कार्यक्रम

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास ढांडा ने बताया कि विश्वविद्यालय के सभी कृषि विज्ञान केंद्रों पर इस वैन के कार्यक्रम तय किए गए हैं जिसके तहत यह वैन विज्ञान केंद्रों पर जाएगी और आसपास के क्षेत्रों के किसानों के खेतों की मिट्टी पानी की जांच करेगी।

यह मिट्टी-पानी लैब वैन सभी सुविधाओं से सुसज्जित है। इसके अलावा इस वैन के माध्यम से किसानों को कृषि और किसान कल्याण विभाग व विश्वविद्यालय द्वारा किसान हितों के लिए किए जा रहे कार्यों की लघु फिल्म भी दिखाई जाएगी। साथ ही विश्वविद्यालय की ओर से विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों और विकसित तकनीकों के बारे में भी जानकारी दी जाएगी। इस वैन में एक टीम इंचार्ज, कृषि विज्ञान केंद्र से वैज्ञानिक, लैब सहायक व मृदा विज्ञान विभाग से एक तकनीकी लैब सहायक शामिल होंगे जो किसानों को जानकारी देगा।

सबसे पहले सदलपुर पहुंचेगी प्रदर्शनी वाहन विज्ञान केंद्रों के इंचार्जों की ड्यूटियां लगाई

सह-निदेशक (विस्तार) डॉ. कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि इस वैन का सबसे पहला कार्यक्रम कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर, हिसार में रखा गया है। यहां के इंचार्ज आसपास के गांवों के किसानों को इस बारे में जागरूक करेंगे और इसका अधिक से अधिक फायदा उठाने के लिए प्रेरित करेंगे। इसके बाद प्रदेशभर में प्रत्येक जिले में स्थित विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से किसानों को सुविधा प्रदान करेगी। इसके लिए सभी विज्ञान केंद्रों के इंचार्जों की ड्यूटियां लगाई गई हैं।

कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने बताया कि बिना खेत की मिट्टी-पानी जांच के किसान फसलों व अन्य बागवानी फसलों में आवश्यकतानुसार उचित खाद-पानी नहीं दे पाते जिसके चलते उन्हें फसलों से उचित पैदावार हासिल नहीं हो पाती। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे अपने खेत की मिट्टी की जांच समय-समय पर अवश्य करा लें। इससे न केवल किसानों द्वारा खेती में प्रयोग किए जाने वाले रसायनिक उर्वरकों का खर्च कम होगा जिससे किसान को आर्थिक बचत होगी बल्कि पर्यावरण संरक्षण भी होगा। उन्होंने कहा कि किसान विश्वविद्यालय द्वारा तय की गई सिफारिशों अनुसार ही रसायनों, कीटनाशकों व अन्य खादों का प्रयोग करें ताकि अच्छी व भरपूर पैदावार ली जा सके।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	10.7.21	2	3-7

कृषि को आजीविका नहीं मिशन बनाकर काम करें किसान और वैज्ञानिक : दलाल

भाई सिटी रिपोर्टर

एचएयू में बागवानी अधिकारियों की वर्चुअल कार्यशाला में बागवानी में समग्र सिफारिशों को शामिल करने को लेकर हुआ मंथन

हिसार। प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जगप्रकाश दलाल ने कहा कि किसान, वैज्ञानिक व कृषि अधिकारी मिलकर खेती को आजीविका का साधन न मानकर एक मिशन की तरह काम करें। इससे न केवल किसानों की आमदनी में इजाफा होगा। वह चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार व बागवानी विभाग हरियाणा सरकार के संयुक्त तत्वावधान में वर्चुअल माध्यम से बागवानी अधिकारियों की आयोजित कार्यशाला को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक किसान की समस्या को ध्यान में रखते हुए दुनिया की सर्वश्रेष्ठ तकनीक किसान तक लेकर आएं। किसानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य करें। वैज्ञानिक काम पानी में तैयार की जाने वाली फसलों व बागवानी जैसी विभिन्न किस्मों व तकनीकों को विकसित करें। दलाल ने वैज्ञानिकों से हाइब्रिड बीज का ब्रांड तैयार कर कम लागत में किसानों को उपलब्ध करवाने के लिए कहा। इस दौरान उन्होंने प्रगतिशील किसानों की सफलता की कहानी नामक पत्रिका का विमोचन भी किया।

कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कहा कि वैज्ञानिक क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए उन्नत तकनीकों व किस्मों को विकसित करें। किसान विश्वविद्यालय द्वारा सिफारिश किए गए रसायनों व कीटनाशकों का प्रयोग करें। कृषि विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने बताया कि प्रदेश में 600 किसान उत्पादक समूह बन चुके हैं। जल्द ही एक हजार समूह बनाए जाएंगे। इस मौके पर एचएसएचडीए के मिशन डायरेक्टर एवं महानिदेशक (कृषि) हरियाणा डॉ. हरदीप सिंह समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	11.7.21	2	3-6

'वैज्ञानिक अब गांव-गांव जाकर करेंगे मिट्टी-पानी जांच, जागरूकता वाहन को कुलपति ने दिखाई हरी झंडी

हिसार, 10 जुलाई (पंजाब केसरी): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक खुद किसानों के पास जाकर उनके खेत की मिट्टी-पानी की जांच करेंगे। अब मिट्टी-पानी जांच के लिए किसान हितैषी लैब के अलावा यह सुविधा सभी कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से किसानों को उपलब्ध हो पाएगी। इसके लिए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने मोबाइल डायग्नोस्टिक एवं टेक्नोलॉजी सुविधा (मिट्टी-पानी जांच एवं प्रदर्शनी वाहन) को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कुलपति ने कहा कि किसानों को मिट्टी-पानी जांच व अन्य तकनीकों के प्रति अधिक से अधिक जागरूक करने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने किसान हित के लिए यह फैसला लिया है।

कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने बताया कि बिना खेत की मिट्टी-पानी जांच के किसान फसलों व अन्य बागवानी फसलों में आवश्यकतानुसार उचित खाद-पानी नहीं दे पाते जिसके चलते उन्हें फसलों से उचित पैदावार हासिल नहीं हो पाती। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे अपने खेत की मिट्टी की जांच समय-समय पर अवश्य करवा लें। इससे न केवल किसानों द्वारा खेतों में प्रयोग किए जाने वाले रासायनिक उर्वरकों का खर्च कम होगा जिससे किसान की आर्थिक बचत होगी बल्कि पर्यावरण संरक्षण भी होगा।

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास ढांडा ने बताया कि विश्वविद्यालय के सभी कृषि विज्ञान केंद्रों पर इस वैन के कार्यक्रम तय किए गए हैं जिसके तहत यह वैन विज्ञान केंद्रों पर जाएगी और आसपास के क्षेत्रों के किसानों के खेतों की मिट्टी पानी की जांच करेगी। सह-निदेशक (किसान) डॉ. कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि इस वैन का सबसे पहला कार्यक्रम कृषि विज्ञान केंद्र महेंद्रगढ़ में रखा गया है। वहां के इंचार्ज आसपास के गांवों के किसानों को इस बारे में जागरूक करेंगे और इसका अधिक से अधिक फायदा उठाने के लिए प्रेरित करेंगे।

मिट्टी-पानी जांच एवं प्रदर्शनी वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज सहित अन्य।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	17.7.21	9	2-7

एचएयू वैज्ञानिक अब गांव-गांव जाकर करेंगे मिट्टी-पानी की जांच

एचएयू कुलपति काम्बोज ने मिट्टी-पानी की जांच एवं प्रदर्शनी वाहन को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

किसानों को जागरूक करने के लिए विश्वविद्यालय का फैसला

हरिभूमि न्यूज>>हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक खुद किसानों के पास जाकर उनके खेत की मिट्टी-पानी की जांच करेंगे। अब मिट्टी-पानी जांच के लिए हिसार स्थित लैब के अलावा यह सुविधा नजदीकी कृषि विज्ञान केंद्र के माध्यम से किसानों को उपलब्ध हो सकेगी। इसके लिए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने मोबाइल [illegible] कम एक्सटेंशन यूनिट (मिट्टी-पानी जांच एवं प्रदर्शनी वाहन) को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कुलपति ने कहा कि किसानों को मिट्टी-पानी जांच व अन्य तकनीकों के प्रति अधिक से अधिक जागरूक करने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने किसान हितों के लिए यह फैसला लिया है।

बिना मिट्टी-पानी की जांच नहीं मिल पाती उचित पैदावार

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि बिना खेत की मिट्टी-पानी जांच के किसान फसलों व अन्य बागवानी फसलों में अंधाधुंध [illegible] खाद-पानी डालते हैं जिससे उन्हें फसलों से उचित पैदावार हासिल नहीं हो पाती। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे अपने खेत की मिट्टी की जांच समय-समय पर अवश्य करवा लें। इससे न केवल किसानों द्वारा खेतों में प्रयोग किए जाने वाले रासायनिक उर्वरकों का खर्च कम होगा [illegible] पर्यावरण संरक्षण भी होगा। उन्होंने कहा कि किसान विश्वविद्यालय द्वारा दी गई सिफारिशों अनुसार ही [illegible] का प्रयोग करें ताकि अच्छी व भरपूर पैदावार ली जा सके।

हिसार। मिट्टी-पानी जांच एवं प्रदर्शनी वाहन को रवाना करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज व अन्य। फोटो: हरिभूमि

प्रत्येक केवीके के लिए कार्यक्रम निर्धारित : डॉ. ढांडा

[illegible]